>

Title: Spread of Encephalities in various parts of the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदय, हमने सम्मानित सदन में पिछले सत्र में देश के मुख्तलिफ हिस्सों में, खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में जापानी एनसेफलाइटिस यानी दिमागी बुखार से हजारों की संख्या में जो बच्चे मर रहे हैं, इस संबंध में प्रस्ताव दिया था। और हमारे साथ योगी आदित्यनाथ ने भी दिया था और उसके संबंध में स्वास्थ्य राज्य मंत्री जी ने कहा था कि जितनी मैंने इसके उत्तर के संबंध में तैयारी की तो इस बीमारी की गंभीरता का मुझे अहसास हुआ और मैं निश्चित तौर पर खुद जाऊंगा, कतिपय कारणों से वह नहीं जा पाये। लेकिन उस पर माननीय आडवाणी जी ने भी कहा था कि बड़ी गम्भीर चर्चा हुई है। भारत सरकार ने एक टीम डा. वी.एम. कटोच की अध्यक्षता में भेजी है। मैं इस सदन के समक्ष कहना चाहता हूं कि यह बीमारी जलजनित होती है, क्योंकि जो भी संक्रामक रोग हैं, चाहे वे मच्छरजनति या जलजनित हों। अभी मानसून शुरू नहीं हुआ है कि आज भी गोरखपुर के मैंडिकल कालेज में करीब 575 मरीज भर्ती हो चुके हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : संक्षेप में बोलिये। आपका भाषण बहुत लम्बा हो रहा है।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं बहुत संक्षेप में कह रहा हूं। वहां 137 बच्चों की मौत हो चुकी है। जो बच्चे बच भी जाते हैं, वे मैन्टली रिटार्डेड हो जाते हैं, डिसएबिल्ड हो जाते हैं। इस जापानी इनसिफलाइटिस की बीमारी के कारण वे पूरे जीवन के लिए परिवार के ऊपर बोझ बन जाते हैं। इसमें एक महत्वपूर्ण बात और है कि अभी तक तो जापानी इनसिफलाइटिस से मौतें हो रही थीं, परंतु अब उस जापानी इनसिफलाइटिस के साथ एक एक्यूट इनसिफलाइटिस सिंड्रोम बीमारी शुरू हो गई है और इस एईएस की बीमारी का कारण भी अभी तक पता नहीं लगा है। मैं समझता हूं कि आज भी इस बीमारी के उपचार के लिए कोई दवा नहीं बन पाई है। अभी जो भी दवा है, वह केवल प्रिवेन्टिव है। केन्द्र सरकार ने 16 लाख वैक्सीन वहां के बच्चों के टीकाकरण के लिए अप्रैल के महीने में भेजे है। मैं खेद के साथ कहना चाहता हूं कि पहली मई से उत्तर प्रदेश सरकार को गोरखपुर, बस्ती, फैजाबाद, देवीपाटन, आजमगढ़ मंडल में टीकाकरण करना था, जो पहली मई से प्रारम्भ होना था, लेकिन वह टीकाकरण शुरू नहीं हुआ। उसके बाद 13 मई से प्रारम्भ करने की बात कही गई...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त कीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : लेकिन टीकाकरण नहीं हुआ। 16 लाख वैक्सीन वापस बुला ली गई। एक वैक्सीन की कीमत 18 रुपये ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदय, 74 लाख डोज कि डिमांग की गई थी, जिसे केन्द्र सरकार ने अभी तक नहीं भेजा है। यह गलत बोल रहे हैं...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : मैं अपनी बात कह दूं, दारासिंह जी उसका उत्तर दे देंगे। ...(व्यवधान)

मैं अपनी बात कह दूं, उसके बाद आप उसका उत्तर दे दीजिए। ...(व्यवधान) मैं अपनी बात कह दूं, फिर आप उत्तर दे दें कुशल तिवारी जी, मैं कह रहा हूं कि 18 रुपये की वैक्सीन मिलती है और 16 लाख वैक्सीन केन्द्र सरकार ने वहां मुफ्त भेजी और वे मुफ्त वैक्सीन जो 76 लाख बच्चों को लगनी थीं...(व्यवधान) आज वहां की राज्य सरकार बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है। जिस तरीके से डाक्टर...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया समाप्त कीजिए। आप बैठ जाइये। धर्मेन्द्र यादव जी, आप बोलिये।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं कोई ऐसी बात नहीं कह रहा हूं। मैं चाहता हूं कि स्वास्थ्य मंत्री जी...(व्यवधान) इस एक टीके की कीमत 18 रुपये थी और केन्द्र सरकार ने सारे टीके मुफ्त में दिये। लेकिन वहां टीकाकरण नहीं हुआ।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जगदम्बिका जी, आप समाप्त कीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : आज पूर्वी उत्तर प्रदेश में...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका रिकार्ड में नहीं जा रहा है। बैठ जाइये।

*(Interruptions) â€¦ **

उपाध्यक्ष महोदय : कोई नई परम्परा नहीं है। संक्षेप में बोलने के लिए अवसर दिया जाता है, एक घंटा भाषण देने के लिए नहीं।